>

Title: Need to restore the monthly quota of rice for APL category under PDS in Chhattisgarh.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर): महोदय, केन्द्र सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को ए.पी.एल. और बी.पी.एल. के अन्तर्गत चावल मासिक आबंटन 61.005 मैट्रिक टन मिलता था, उसे घटाकर 740 मैट्रिक टन कर दिया गया है, उसे पूर्ववत यथावत रखा जाए। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा राज्यों में निर्धारित बी.पी.एल परिवारों की संख्या के आधार पर खाद्यान्न का आबंटन जारी किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 1991 एवं वर्ष 1997-2008 के बी.पी.एल. सर्वे में सम्मिलित कई परिवार ऐसे हैं जिनके नाम किसी कारणवश वर्ष 2002-03 के बी.पी.एल. सर्वे में शामिल नहीं हो पाये हैं। ऐसे परिवारों की आर्थिक स्थिति बी.पी.एल. सर्वे सूची में सम्मिलित परिवारों के लगभग समकक्ष है तथा निम्न क्रय क्षमता के कारण ए.पी.एल. खाद्यान्न का उठाव करने में सक्षम नहीं है।

राज्य शासन द्वारा मुख्य मंत्री खाद्यान्न सहायता योजना को वर्ष 2007-08 से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के द्वारा ए.पी.एल. चावल को बी.पी.एल. दर पर राज्य शासन द्वारा उपरोक्त लक्षित समूह को उपलब्ध कराया जाएगा जिससे राज्य सरकार 3.00 रुपये प्रति किलो की दर से प्रतिमाह 35 किलो चावल सर्वे लिस्ट में गरीब परिवारों को देगी। इस योजना के क्रियान्वयन से राज्य के लगभग 12.00 लाख निर्धन परिवार लाभान्वित होंगे और कई परिवार ऐसे हैं जिन्हें सर्वे लिस्ट में नाम नहीं होने के कारण लाभ नहीं हो रहा है। केन्द्र सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वर्ष 2006-07 में 3104 मिट्रिक टन ए.पी.एल. गेहूं एवं 61.005 मिट्रिक टन चावल मासिक खाद्यान्न का आबंटन वित्तीय वर्ष में किया जाता रहा है परंतु इस वर्ष मात्र 74 मिट्रिक टन चावल देकर केन्द्र सरकार छत्तीसगढ़ को अनदेखा कर रही है। इससे गरीब लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की गुंजाइश नहीं है और सौतेला व्यवहार होने के कारण राज्य सरकार स्वत: अपने आबंटन से कार्य कर रही है। इसलिए मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि जो पिछले समय 61.005 मिट्रिक चावल तथा 700 मिट्रिक टन गेहूं वगैरह है, इन सबको पर्याप्त मात्रा में केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाए जिससे छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

MR. CHAIRMAN : The House now stands adjourned to meet tomorrow at 11.00 a.m.

19.54 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on[r92] Tuesday, March 18, 2008/Phalguna 28, 1929 (Saka)

---

fld by b1.h

Cd by c

[N2]

Fld d [MSOffice3]

Fd. By 'e' [R4]

3 pages for written reply

cd.by f [R6]

cd. [R7]

fd by k1 [r8]

Fd. By l1.e [a9]

[R10]cd by m1

[s11]Fd. by n

[r12]flsd by o

P1cd

[rep13]

[r14](Cd. by q1`)

[R15]cd by s

Cont by t1.h [p16]

Cd by u

[N17]

Sh. V.K. Malhotra-cd [MSOffice18]

Cd by w1 [MSOffice19]

cd. by [R20]x2

Fd. by y [R21]

cd.. by z1 [r22]

cd.. by a2 [r23]

[r24]Fd by d2

Cd E2 [MSOffice25]

cd. by f2

[s26]

Cd by g2 [h27]

H2fd

[rep28]

[r29](Cd.by j2)

[r30](Cd.by k2)

[r31]Cd by l2

cd by m2 [R32]

[R33](Cd. by n2)

[r34]baburao ctd

Cd by o2

[N35]

Cd by p2 [MSOffice36]

cd. by q2 [h37]

Contd by r2.e [r38]

Ctd. By s2 [m39]

Ctd. By t2 [m40]

Cd by u2 [a41]

[k42]contd by w2

(cd. by x2) [b43]

Cd by a3 [h44]

B3cd

[rep45]

[r46](Cd. by c3)

Cd by d3 [r47]

cd by e3 [R48]

[p49]Cont by f3.h

Cd by g3

[N50]

Cd by h3

[MSOffice51]

cd. by j3.h

[R52]

cd. by k3 [R53]

[R54](Fd. by l23)

[r55]ctd by m3

cd. by n3 [a56]

cd. by o3 [h57]

Shri madhusudan mistry cte [r58]

Contd by p3.e [r59]

Ctd. By q3 [m60]

[k61]contd by r3

[SS62]contd by S3

cd.. by t3 [r63]

Cd by u3.e [r64]

[r65]Cd by x3

Cont by y3.h [p66]

Prof. Rasa Rawat cd

[N67]

cd. by 'z3' [R68]

cd. by a4 [R69]

Contd. By b4.e [R70]

[MSOffice71]Contd. By D4

[R72](Cd. by g4)

[r73]deo ctd

(cd. by h4) [b74]

cd. by j4 [r75]

[s76]

[s77]cd. by k4

Contd by l4.e [r78]

Ctd. By m4 [m79]

[k80]contd by n4

Contd by O4 [SS81]

[R82]cd by p4

Cd by q4.e [r83]

Fd by r4 [KMR84]

[r85]Cd by s4

fld by t4.h [R86]

cd. by u4 [R87]

cd. by w4 [R88]

Fld by x4.e [R89]

[MSOffice90]cd. by y4

[r91]Cd byz4

[r92] Friday, March 10, 2000/Phalguna 20, 1921 (Saka).